Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 23

No. of Printed Pages – 7

P–01–Hindi

प्रवेशिका परीक्षा, 2022

PRAVESHIKA EXAMINATION, 2022

हिंदी

समय : 2 **घण्टे** 45 **मिनिट**

पूर्णांक : 40

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

खण्ड – अ

प्र.1) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – [5 × ½ = 2½]

तुलसी का काव्य लोक संस्कृति का अभिन्न अंग बन गया है। उनके नाम के साथ कोई पन्थ नहीं जुड़ा है। 'रामचरितमानस' को लोकप्रिय बनाने के लिए कोई संघबद्ध प्रयास नहीं किया गया। अपने आप मिथिला के गाँवों से लेकर मालवे की भूमि तक जनता ने इस ग्रन्थ को अपनाया। करोड़ों हिन्दी भाषियों के लिए धर्म ग्रन्थ, नीति ग्रन्थ, काव्य ग्रन्थ यदि कोई है तो 'रामचरितमानस' है। इसका एक अप्रत्यक्ष सामाजिक फल यह हुआ है कि हिन्दी भाषी जनता को संगठित करने में, उसमें जातीय एकता का भाव उत्पन्न करने में 'रामचरितमानस' की अपूर्व भूमिका रही है। आश्चर्य की बात है कि जिन जनपदों में गाँवों में तुलसी और सूर की रचनाओं का पाठ शताब्दियों से होता रहा है, उनके कुछ अभिनव नेता और बुद्धिजीवि अपने को हिन्दी भाषी क्षेत्र से अलग मानते हैं।

भक्ति आन्दोलन और तुलसी–काव्य का राष्ट्रीय महत्त्व यह है कि उनसे भारतीय जनता की भावात्मक एकता दृढ़ हुई।

1) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है –
 अ) विविधता में एकता ब) तुलसी के काव्य की उपयोगिता
 स) सूरदास के काव्य की उपयोगिता द) जीवन और धर्म

2) करोड़ों हिन्दी भाषियों के लिए धर्म ग्रन्थ, नीति ग्रन्थ, काव्य ग्रन्थ है –
 अ) गीता ब) महाभारत
 स) रामायण द) रामचरितमानस

3) रामचरितमानस की अपूर्व भूमिका क्या रही –
 अ) जातीय एकता का भाव उत्पन्न करने में ब) भक्ति की महिमा में डूबने में
 स) कर्मकाण्डों की स्वीकृति में। द) समाज का मनोविज्ञान बदलने में।

4) गाँवों में तुलसी और सूर की रचनाओं का पाठ होता रहा है –
 अ) कुछ वर्षो से ब) दशकों से
 स) शताब्दियों से द) वर्षों से

5) भक्ति आन्दोलन और तुलसी काव्य का राष्ट्रीय महत्त्व है –
 अ) भारतीय जनता की भावात्मक एकता दृढ़ हुई।
 ब) जन–जीवन में राम भक्ति का रस घोलने में।
 स) हिन्दी भाषी क्षेत्र का महत्त्व दर्शाने में।
 द) मत–पंथ भाव भाषा की एकता दृढ़ हुई।

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – [5 × ½ = 2½]

प्रभुजी तुम चंदन हम पानी, जाकी अंग–अंग बास समानी ।

प्रभुजी तुम घन बन हम मोरा, जैसे चितवत चंद चकोरा ।

प्रभुजी तुम दीपक हम बाती, जाकी जोति बरै दिन राती ।

प्रभुजी तुम मोती हम धागा, जैसे सोनहिं मिलत सोहागा ।

प्रभुजी तुम स्वामी हम दासा, ऐसी भक्ति करै रैदासा ।

6) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक है –

अ) रैदास का समर्पण भाव ब) दीपक का जीवन

स) तुलसी का काव्य द) भक्ति आन्दोलन

7) रैदास जी ने भगवान को चन्दन कहकर स्वयं को क्या कहा है –

अ) सुगन्ध ब) पानी

स) पत्थर द) अनाथ

8) बरै शब्द का अर्थ है –

अ) बैर (दुश्मनी) होना ब) तीव्र गति होना

स) जलती है द) चारों ओर देखना

9) उपर्युक्त काव्यांश में कवि रैदास ने ईश्वर के किस रूप का वर्णन किया है –

अ) निराकार रूप का ब) साकार रूप का

स) चतुर्भुज रूप का द) लौकिक रूप का

10) 'सोने में सुहागा' होना मुहावरे का अर्थ है –

अ) प्रथम वस्तु से द्वितीय वस्तु का अधिक महत्त्व होना

ब) सोने का सुहागा से अधिक महत्त्व होना

स) किसी विशेष वस्तु में दूसरी वस्तु के मेल से उसमें विशिष्ट गुण का समावेश हो जाना ।

द) जीवन में भगवान की प्राप्ति हो जाना ।

11) 'देहाती दुनिया' उपन्यास से लिया गया पाठ है – [½]

अ) जॉर्ज पंचम की नाक से ब) माता का अँचल से

स) साना–साना हाथ जोड़ि से द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

12) साना–साना हाथ जोड़ि पाठ में वर्णन है – [½]

अ) अरावली पर्वत माला का ब) पश्चिमी पठार का

स) रेगिस्तान की मिट्टी का द) हिमालय की यात्रा का

प्र.2) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । **[6 × ½ = 3]**

1) जिस संज्ञा शब्द से .... के नाम का बोध होता हो उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं ।

2) जो सर्वनाम निकटस्थ अथवा दूरस्थ व्यक्ति या पदार्थ की ओर .... संकेत करते हैं, उन्हें निश्चय वाचक सर्वनाम कहते हैं ।

3) विशेषण .... प्रकार के होते हैं ।

4) ऐसे शब्द जिनके स्वरूप में लिंग, वचन, काल आदि के प्रभाव से कोई .... नहीं होता अविकारी शब्द या अव्यय कहलाते हैं ।

5) संस्कृत में कुल .... उपसर्ग होते हैं । ये सभी उपसर्ग तत्सम शब्दों के साथ हिन्दी में प्रयुक्त होते हैं ।

6) वे प्रत्यय जो धातु अथवा क्रिया के अन्त में लगकर नए शब्दों की रचना करते हैं उन्हें .... प्रत्यय कहते हैं ।

प्र.3) निम्नलिखित अति लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा लगभग 20 शब्द । **[12 × ½ = 6]**

1) संधि की परिभाषा लिखते हुए स्वर संधि के प्रकार लिखिए ।

2) कर्मधारय और बहुव्रीहि समास में अन्तर लिखिए ।

3) 'आकाश टूटना' मुहावरे का अर्थ लिखिए ।

4) 'अंधा बाँटे रेवड़ी फिर–फिर अपने को देय' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए ।

5) 'नेताजी का चश्मा' पाठ किसके योगदान को दर्शाता है?

6) मन्नू भंडारी के पिता की सबसे बड़ी दुर्बलता क्या थी?

7) 'नौबतखाने में इबादत' पाठ किसके बारे में है?

8) 'उधौ, तुम हौ अति बड़भागी' गोपियों ने ऐसा क्यों कहा?

9) परशुराम जी का गुस्सा कैसे शान्त हुआ?

10) 'आत्मकथ्य' कविता में किसकी अभिव्यक्ति है?

11) 'माता का अँचल' पाठ में किसका चित्रण किया गया है?

12) 'यूमथांग' का अर्थ लिखिए, यह कहाँ स्थित है?

खण्ड – ब

प्रश्न संख्या 4 से 16 तक के लिए प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम उत्तर सीमा 40 शब्द है ।

प्र.4) हालदार साहब ने पान वाले से क्या पूछा और पान वाले ने क्या उत्तर दिया? [1]

प्र.5) बालगोबिन भगत रेखाचित्र के माध्यम से किसके चरित्र का उद्‌घाटन किया गया है? [1]

प्र.6) नवाब साहब ने खीरे की फांकों को बिना खाये ही क्यों फैंक दिया? [1]

प्र.7) काशी में मरण भी मंगल क्यों माना गया है? 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर लिखिए । [1]

प्र.8) गोपियों ने राजधर्म किसे कहा और क्यों? [1]

प्र.9) क्रिया को परिभाषित करते हुए कर्म के आधार पर क्रिया को उदाहरण सहित समझाओ । [1]

प्र.10) 'मां ने कहा लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।' ऐसा कवि ने क्यों कहा आशय स्पष्ट कीजिए। [1]

प्र.11) उत्साह कविता के माध्यम से कवि ने क्या संदेश दिया है? [1]

प्र.12) ग्रामीण अँचल में बच्चों के खेल कैसे होते थे? माता का अँचल पाठ के आधार पर लिखिए । [1]

प्र.13) 'जार्ज पंचम की नाक' पाठ सत्ता से जुड़े लोगों की किस मानसिकता को दर्शाता है? [1]

प्र.14) तिस्ता नदी कहाँ बहती है, इसकी विशेषताएँ लिखिए । [1]

प्र.15) 'यशपाल' का जीवन परिचय एवं कृतित्त्व संक्षेप में लिखिए । [1]

अथवा

यतीन्द्र मिश्र का व्यक्तित्त्व व कृतित्त्व संक्षेप में लिखिए ।

प्र.16) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व संक्षेप में लिखिए । [1]

अथवा

तुलसीदास के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व संक्षेप में लिखिए ।

खण्ड – स

प्र.17) निम्नलिखित पठित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । [½ + 1 = 1½]

बार–बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश के खातिर घर–गृहस्थी–जवानी–जिंदगी सब कुछ होम देने वालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढ़ती है। दुःखी हो गए । पंद्रह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुज़रे । कस्बे में घुसने से पहले खयाल आया की हृदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिष्ठापित होगी, लेकिन सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा । ..... क्योंकि मास्टर बनाना भूल गया ..... और कैप्टन मर गया । सोचा आज वहाँ रुकेंगे नहीं, पान भी नहीं खायँगे, मूर्ति की तरफ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकल जाएँगे ।

अथवा

शहनाई के इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर मांग रहे हैं । सच्चे सुर की नेमत । अस्सी बरस की पाँचों वक्त वाली नमाज़ इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है । लाखों सजदे, इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते हैं । वे नमाज़ के बाद सज़दे में गिड़गिड़ाते हैं – मेरे मालिक एक सुर बख्श दे । सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ, उनको यकीन है, कभी खुदा यूँ ही उन पर मेहरबान होगा और अपनी झोली से सुर का फल निकालकर उनकी ओर उछालेगा फिर कहेगा, ले जा अमीरुद्दीन इसको खा ले और कर ले अपनी मुराद पूरी ।

प्र.18) निम्नलिखित पठित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । [½ + 1 = 1½]

हमारे हरि हारिल की लकरी ।
मन क्रम बचन नंद–नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी ।
जागत सोवत स्वप्न दिवस–निसि, कान्ह–कान्ह जकरी ।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी ।
सु तौ व्याधि हमकौ लै आए, देखी सुनी न करी ।
यह तौ सूर तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मन चकरी ।।

अथवा

लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास तो होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की
कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की

प्र.19) 'एक कहानी यह भी' पाठ मन्नु भंडारी के साधारण लड़की के असाधारण बनने के प्रारंभिक पड़ावों को प्रकट किया है। स्पष्ट कीजिए । (उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द) [1½]

अथवा

'लेकिन भगत का निर्णय अटल था।' तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा । ऐसा बाल गोबिन भगत ने क्यों कहा? (उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)

प्र.20) 'यह दंतुरित मुसकान' कविता में कवि ने क्या संदेश दिया है? (उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द) [1½]

अथवा

'छाया मत छूना' कविता के माध्यम से कवि ने किस सत्य को स्पष्ट किया है? (उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)

खण्ड – द

प्र.21) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300-350 शब्दों में एक निबंध लिखिए । [2]

अ) जीवन में खेलों का महत्त्व

i) प्रस्तावना

ii) खेलों के प्रकार

iii) खेलों से स्वास्थ्य लाभ

iv) खेल भावना से सौहार्द

v) उपसंहार

ब) वैश्विक महामारी कोरोना

i) कोरोना क्या है

ii) महामारी का फैलाव

iii) महामारी की भयावहता

iv) बीमारी से बचने के उपाय

v) उपसंहार

स) राजस्थान के त्योहार

i) त्योहार का अर्थ

ii) राजस्थान में मनाए जाने वाले त्योहार

iii) त्योहारों में भाईचारे की भावना

iv) त्योहारो से मानव प्रेम

v) उपसंहार

द) मेरा प्रिय महापुरुष

i) महापुरुष का अर्थ

ii) महापुरुष के द्वारा किए गये कार्य

iii) जीवन दर्शन व शिक्षा

iv) समाज में महत्त्व

v) उपसंहार

प्र.22) आप राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अर्णव नगर के सुरेश हैं । आपके विद्यालय के पुस्तकालय में बालोपयोगी पुस्तकें मँगवाने हेतु प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना पत्र लिखिए । (शब्द सीमा लगभग 300 शब्द) [2]

अथवा

स्वयं को हिम्मत नगर का नरेन्द्र मानते हुए अपने छोटे भाई देवेश को स्वास्थ्य सुधार हेतु एक पत्र लिखिए ।

प्र.23) राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नमनपुर के चित्र कला छात्रों द्वारा बनाये गए चित्रों की बिक्री हेतु एक विज्ञापन लिखिए । (उत्तर सीमा 25-50 शब्द) [2]

अथवा

'नव सृजन' संस्था द्वारा बनाई गई मूर्तियों की बिक्री हेतु एक विज्ञापन लिखिए । (उत्तर सीमा 25-50 शब्द)

DO NOT WRITE ANYTHING HERE